12-12-2022.pdf **Title :Madhava Nala – Kama Kandala Katha (Hindi - Devanagari)**

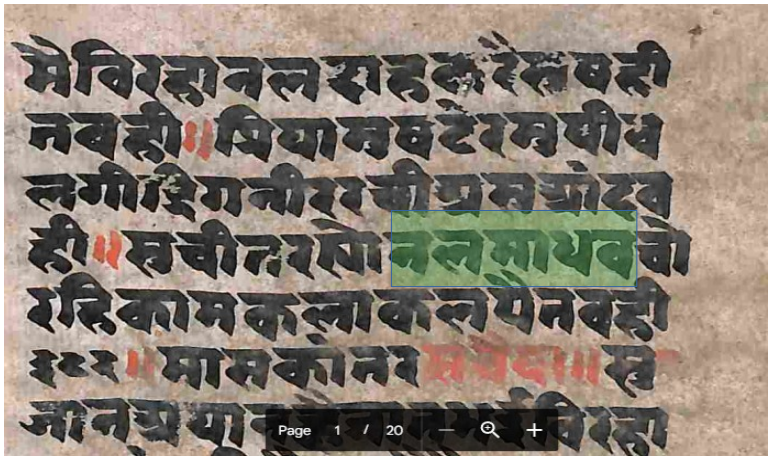

Ref :https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.382560/page/n7/mode/2up

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

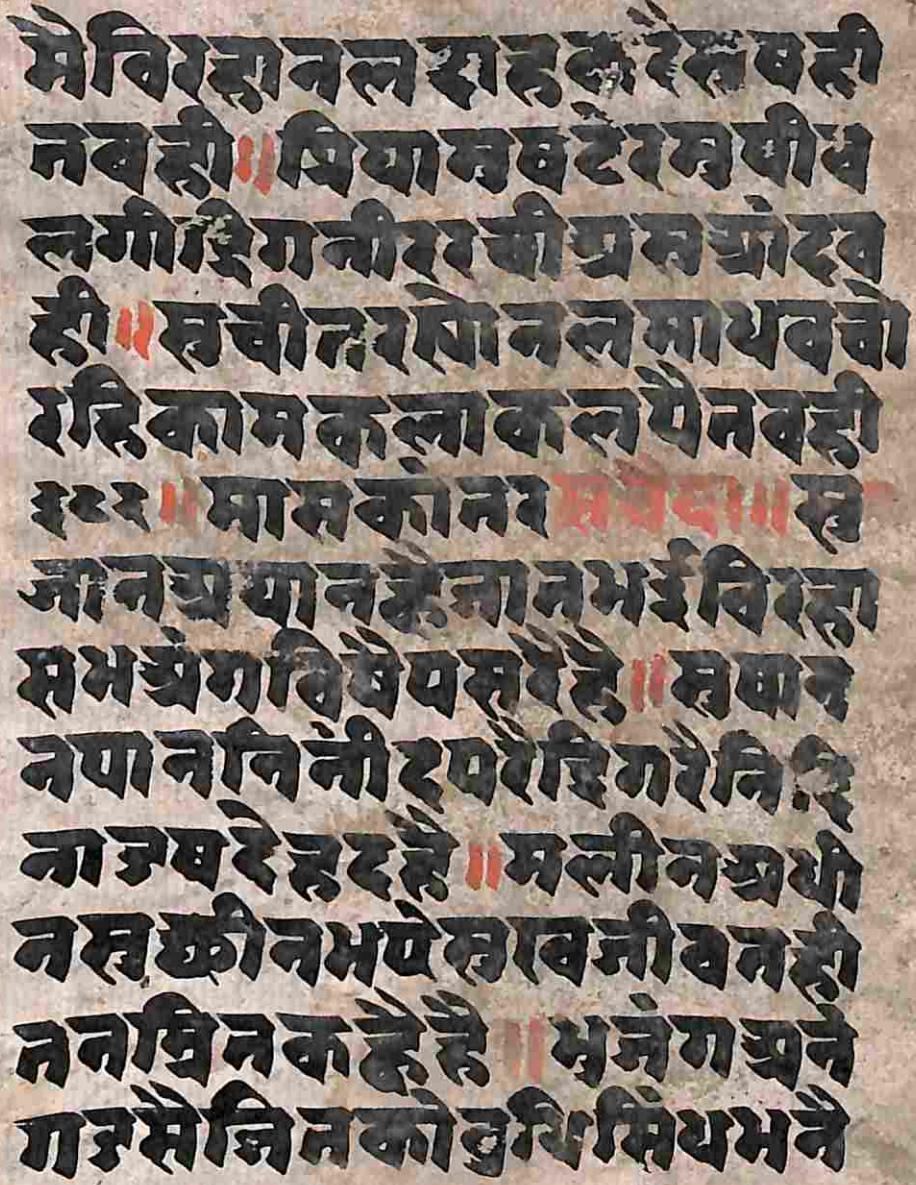

मेविरहानलदाहलैसैंघटी
नवहौ॥पियामनछैटेमनपीव
लगीहिगनीरचीश्रमनश्रोटब
ही॥रुचीनासोनलसाथबो
रहिकामकलाकलपैनवही
१८२॥मानकोनवनिषेधा॥ह
जानघयानकैनानभईविरहा
समश्चगविछैपसरैहै॥मघान
नपाननिनीरपोहिगरैनिहि
नाउषरेहरहै॥मलीनश्रथी
नसछीनभयेहाबजीवनहो
ननधिनकहैहै॥भजंगश्रने
गउसैजिनकोतुपिसियभनै

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰ १९

नहिचैनलहैहै ॥ १८३ ॥ दोहरा
॥ सकरीइवनरफनपरीवरीमे
जकेबीच ॥ ह्विगयामेंभरभरम
विनभयोमहतिहलाकीच ॥ १८४
दोहरा ॥ पीनपङ्ननकेटलैल
घजबविक्रमसेन ॥ नवक
हिनकेवचनमुषभनेनीरल
गनैन ॥ १८५ ॥ पादाकुलछंद ॥
मोनगहीसुनिकंदलनारी
रानाहिनकीबानउचारी ॥ व
रुषकोनहिउनरुरीमो ॥ न
वमनमोनपकोपसकीलो ॥ ३
विनैछंद ॥ रामसराथरकेस

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नभूपतिकामकलायविवेन
उचारै॥ हैगतिकामनमानधरै
गहिमौनरहीकहिकौनउचा
रै॥ ऊचननीचलहैरतिमानन
हैनिरलाजनसेकविचारै॥ व
सिकैनरकामककौनविपा
तिहसीनिनलैकरमारे॥ ९०
झरवैसरछेद॥ दोसुनवच
नकेदलावोली॥ विरहविप
तिकीपेलीघोली॥ साधवरि
नरछेनाविनहरीओ॥ देषनउ
वगनन्योअनलीओ॥ ९१॥ ना
विनकछुसुहातनमोको॥ मा

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰
८

धुकरोनपवबयनोको॥स
कलत्रियाकहिनपनखना
ई॥बहुरिमरछाकेरलखाई
१८॥ईरबकुर॥योहनबान
विधानपविक्रमसीतिलखी
मनमाची॥विषडषीइनकेवि
रहेश्रकनारिज्ञषी३हकेगग
वी॥नैनिरिनारिगनैटरुरहैन
हिबाहनबेरवकैवबमाको॥
घननबेनहनियोसरमैनन
पयोनैनछनीघनिनाबी॥१९
केठश्रमघन॥दोहरा॥राइल॰
घीश्रबलानिज्ञनैनन॥बोल

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

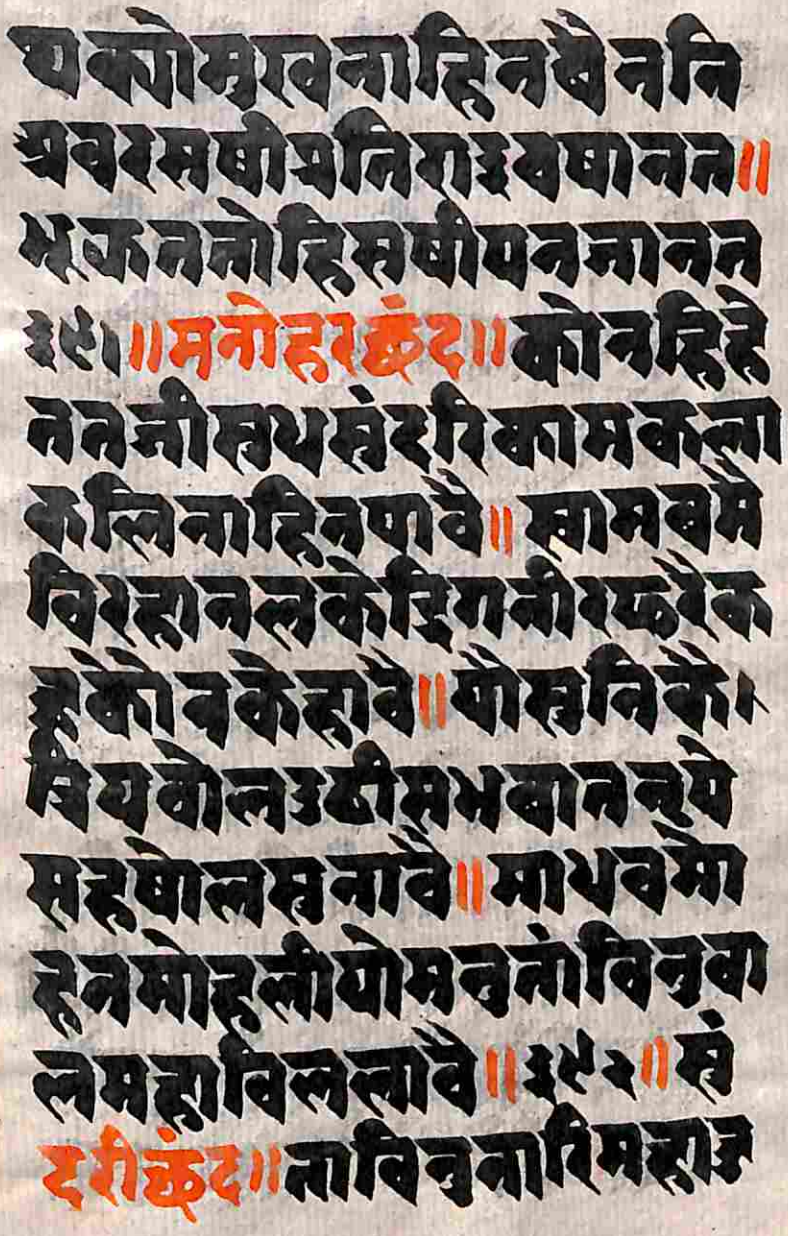

यकोमरवनाहिनवेनति
श्रवरमषोअतिराइवषानन॥
भकननोहिनषीपननानन
३९१॥मनोहरछंद॥कोनहिहे
ननमीमयपंखरीकामकला
केलिनाहिनपावे॥सामबसे
विरहानलकेइगनीयफोक
हेकोवकेहावे॥योहविके।
हियवोलउठीसभवानहये
सहषालहनावे॥मापवमा
हेनमोहलीयोमवनोविनुवा
लमहाविललावे॥३९२॥सं
दरीछंद॥नाविनुनारिमहाउ

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

घणावन ॥ ऐनिहिन्याहिगरोइ
मा॰ गवावन ॥ कामनिऊँकैवास
८। नहिभावन ॥ विरहव्यथोविन
वैननआवन ॥ १९३ ॥ कवित्त ॥
कियौहरनाथकोसआमन।
कोआइकैरकुलरिनरूपपा
रिविनचोरलैगयो ॥ कियौम
निमरनभूपआयोहूढैवो
कियौमीनकैनवानवेगकौ
नवैगयो ॥ वाकीविनवाहि
लागीनीरभयव्याकभागीहि
रहोफनिंद्रकोपुकारोखरभै
गयो ॥ कीवैकोउपाइनवका

इयाकोपाईयनमाधवदमोरी-
ला॥३पछीपरेगपो॥१९४॥नाम
रछंद॥कपटसनेहनसबषाको॥
धबलनिसंगसबानहठामी॥ह
मनिरखपोमाधवनलछोमी॥
नगरउजेनहनारिवियोगी॥१९५
विरहनपनतननपनिसगनिहि
न॥कुपरेनहेन॥मानमाग्रमा
धवगपोनिरखपोहमनिजनेन
१९६॥सवैया॥पोपुनिकानप
रीनवबेदलगाहिउबारसबग
नतिकोरे॥पिंगलपानननेनि
मगाहसनेनवभरषसिंवले-
वारे॥पाहपछारगिरीपलका

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

परिमीनपरीबिछुरीजलवा
मा॰ ८८ रे॥देहरहीअमिनातिअकी॰
निमकंचकीत्यागविथीहृय
धारे॥२९७॥चौपई॥आहिमग
पलखानपधारे॥कामकलान
नलाहिसंभारे॥देखिविविहृथ
थकेअलिलें॥सकलविक
लअतिरोदनभई॥२९८॥सवै
या॥आकुलनारिविहारनि
वारहहाकेधुकारफटेहियमं
गा॥कारनचीरअधीरभरीरव
रीगिरीकरकंचकीवेगा॥नै
ननीरसखीवमैननतापनअम
निकोपंगा।हैविसभारपरीकोवनी
नकोलकबु

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

कारमधीजनमैंगा ॥ ११९ ॥ स
वियाछंद ॥ कामकलानिधि-
मानमरीपरि ॥ नांहितरोरन
बालमहावर ॥ केतकलेउरा
मोडरलावति ॥ केतकहाहा
कारघ्रलावति ॥ ५०० ॥ दोहरा ॥
मानगयेसंगआहिकेनाटक
करगीछूट ॥ जीभदसनमेव
कमपेखेनककरीसलूट ॥ ५०१
गनामननमोविनविनवैठगयो
निहठौर ॥ आयोयाहवकार
नेभईऔरकीऔर ॥ ५०२ ॥ नव
लपवेरनमोकहामतिहिगव

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰
११

रषइबाल॥ विरहनापइनहि
गमहेयाइयोमाहिनकाल
५·३॥ सोरठा॥ उमीविरहबा
नागरहूमेडीआनिये॥ नवे
उबेवियनागभागभालउर
निलषयो॥ ५·४॥ सवैया॥ यो
वनियानिनमोकहिविक।
मयापगयोअपनेदलमाहो
नामनिनामसहनीनविनीन
बकामनिचाइगयोनपनो
ही। हैयहवारनेंगथमयो
निनयामवांबबोलनको
मोककेसागरबीचडबोपरबेक
किषेकहूकोनमिटोहो दोहा ननथाउ

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लह्रिगनीदनहिंउस्योभुजंग
मसोक॥ केउप्रवनाहिंजिवा
रहोनाकरचलोपरलोक॥ ४६
विनाविनवनराइकोउक्यो
मोरमोभान॥ सकललोक
नायनमधेजेरभुवनेनिसान
४७ ॥दोहरा॥ सविवचमूप
तिधीरबारगएराजदरबार
अपनोअपनोसेसगुनकीनो
आइजुहार ४८ राइविमन
लखिसबविववरकरीपेकप्र
रदास कवनकाजसबके
नकीदेखतिक्रानउदास ४९

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

सकलत्रियाकामाकही
मा॰ ५४ आदिहेतनलोगाइ॥ सकनसो
कमविवञसोकीमैकव॰
नुउपाइ॥ धा॰॥ सकलसभ
आपनिभईमाथवलीथोव
लाइ॥ आहकसोवेखापोव
क्रमरपलिनगाइ॥ ५॥ ना॰
नोवाच॥ श्लोक॥ हवोवि
मलगनासकथाइनमीभ
ई॥ विहहनमोवालकाल
धमोगई॥ हननिवेनकल
कठनविमविसभयो॥ हो॰
याहसवदमधिकाप्कनवे॰

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

नलमरगयो ॥ ५२ ॥ सवैया ॥
छाइपछ्यायघर्योसिध्योपरम्या
हिकेसंगहिमानहिये। नयो
नलहीनमरैमछरीपनिपेंव
गस्योमननयानकिये ॥ नयो
विरहीननयाननजैवधिसि
छमनैफटमानहिये ॥ जीवन
कोनहिभांननिनैनसनैको।
होपासिसैपासिलिये ॥ ५३ ॥
दोहरा ॥ माधवमुषसमअहमा
उदिसीचहनीरनिचोइ ॥ विर
हनागनरनेहमेजीवनकेसे
होइ ॥ ५४ ॥ सामनासिकामं

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰
८५

रहीपंछिनगनीजैबैर॥जोमी
नारूपछियकेजीवननाहि
उमैद॥५५॥सोरठा॥करया
केउपचारजोगीपछिनगारह
माथवहिगनउभारमनगवे
नमधामनिहु॥५६॥कैउपा
चारथकेबाबैरकसीनभको
हुरगीकरनारी॥गाइउदास
भयोमननमोहपुंछेपनिकी
समहपिविमारी॥पावक
भाकजरोइमकारनगाइकरै
योइहभांनपुकारी॥होनिपा
रीयकुलाइउठीसमसैनरा

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

दीनन्हे हितसभारी ॥ ७२ ॥ स
वैया ॥ नबजाइ नदीनटवि
क्रमसे नहसाजसबारिविना
हि बनाई ॥ वरहेदनसीवग्र।
नोहनसारहगयउवेषसो
सेपमिलाई ॥ दिनरावनअपा
रथोदलमेरनदेउनदोषा।
कीरीतिरगाई ॥ अपनायक
रयोवरमैरह्योमरनागिह
नीबरविपगुसाई ॥ ७८ ॥ चौ
पई ॥ सकलसविवमिलि
ववनसनावे ॥ जरवोकठना।

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰
११

अगनिरषवारे॥ अनिक
जगनमोमैहुमानस॥ ब
मतिरोषकहाकोऊध्यान
स॥५०४॥ दोहरा॥ सकलबे
ननीकरथकेराइकमानीवा
न॥ नीरवोमनमोडिरगस्तो
भलगईहियिमान॥ ५०५॥ स
वैया॥ हृबिमननकेननबो
हबनाइकसीमहीश्याकरि
मोहहिके॥ सुषगंगकोसी
अमोनरतियोहवढयोवि
नेपविनकोमटिकै॥ नरि।

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

बोनपबानसनीहरलोग।
नमानविवानचलेछरिकै ॥
गगागंधवकिंनरजक्षचले
नभक्षाइरसोनिनकेपटकै
४२॥ सवैया॥ बीरविनालक्ष
नोनृपश्रीनमनाहिहनीघान
नआयो। दैनचहीनृपआग
नवैतिनबाहगहीहिनसो
समकायो॥ श्रीत्रिनबोघट
यानरिबोननकालपयाल
बीबोरमियायो॥ लैघरछे।
त्रिनराइरघोनहपाइमहास
नसोङुनमायो॥ ४३॥ दोहरा

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

उतरवितविनातनजीमयाली
मा· २३ योनरपाल॥माधवमथमी
वेतमयोजीयउठयोननका
ल॥५२२॥सवैया॥जबखंचि
नथ्यानदयोदिनकेमघनेन
लगेनकेनघरे॥मघकेरल
लेनउठयोनकनामसिया
लिषिचीनधरे॥नपच्चानेर
मोउवीवनमावनमाधवरे
षिडलानभरे॥वनविक्रम
मोजकेसीनहमोहनमाध
वगाइभ्रूघोमहरो॥५२५॥
दोहरा॥वनेरमासेरीहनव

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

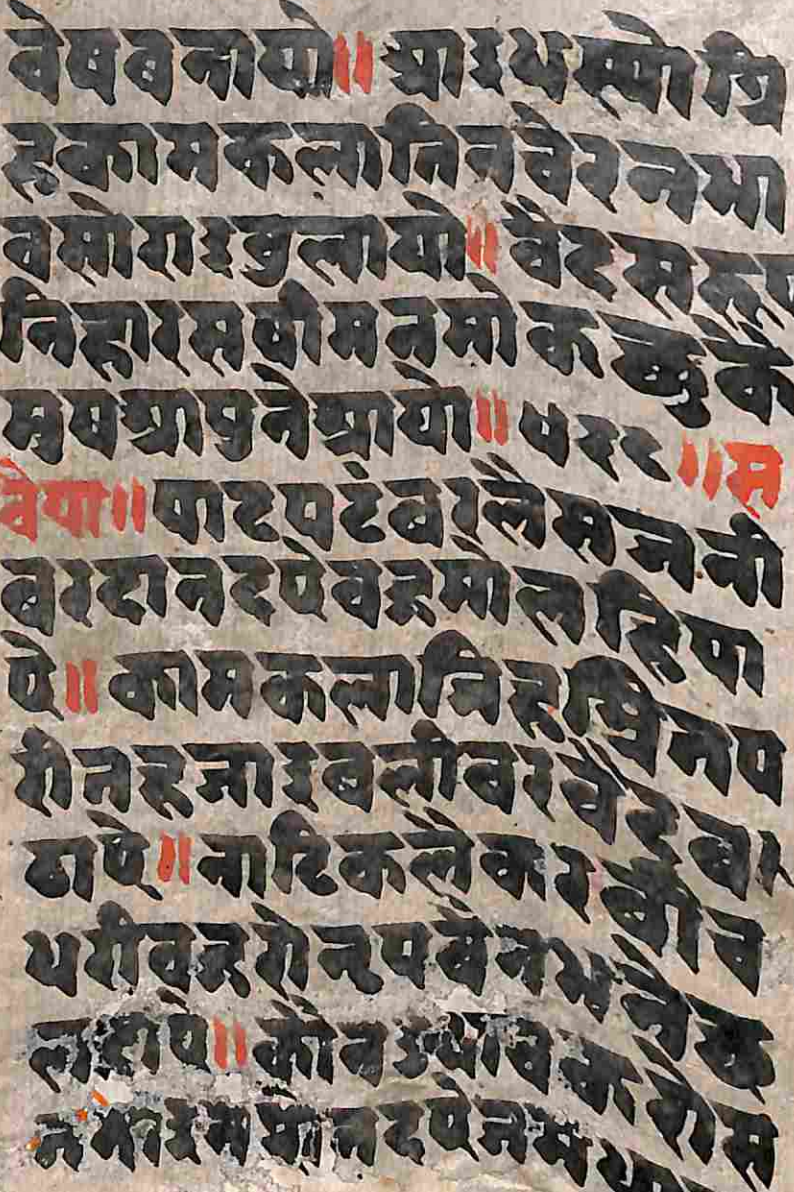

मा· ८८

वेषवनायो ॥ आइ धस्यो त्रि
हकामकलानिवैरनम
वमोगाइ झुलायो ॥ वैरमन
निहारलषीमनमोकछुके
मघआपुनेआयो ॥ पद८८ ॥ म
वैया ॥ पारपरेवोलैमनके
वारानरपेवइमोलहिप
रे ॥ कामकलानिहरिहिनप
रेनरइलाइवलीवाढेनप
ढपे ॥ नारिकलैकरवीव
परीवररेनपवेनभलैव
लहैप ॥ कोवउघोवसवैम
नमोरमघानरपेनमधामा

सुरगनकरनमैकाज॥ चरना
षधारवैनालकेदीनोदानब्र
पार॥ ४२५॥ गजराजबानन्हसा
नयनिकेवनमानकहीर॥
हारद्दलमलझारिपोवृझेनी
रंगेभौर॥ ४२६॥ सोरठा॥ चरन
सकलकषणाइनरनारीसुर
तिमथे॥ विनूगाइंपगाइंनिम
हेमीलहिंमियूननन॥ ४२७॥ म
हेया॥ मापवकोइंहभंमजो
ग्राइंदल्योनूरणकामचनीम
पिवाघो॥ हेवनजेभनिपा
सोमरघोकरधनोवेदको

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri